

ed before the House. There are two very very important qualifications which the hon. Member has to fulfil before the starts raising the matter. Unfortunately he has said so many things irrelevant. But my submission is that we are prepared to have a discussion at any point of time. At this moment time is not ripe. That is my submission.

श्री मनीराम बागड़ी : अध्यक्ष जी, आप मेरी बात सुन लें। सरदार बूटा सिंह की बात का मैं जवाब देना चाहता हूँ। मेरी कोई भी बात कभी भी देश के हित के खिलाफ नहीं गई है, किसी पार्टी के हित के खिलाफ गई हो . . . (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : ऐसे नहीं चलेगा। अगर सारे ही ऐसा करने लग जायें तो मेरी गाड़ी नहीं चलेगी।

श्री मनीराम बागड़ी : आप सदन की मर्यादा की बात करते हैं मैं सदन की मर्यादा को कायम रखने के लिए ही यह कर रहा हूँ।

अध्यक्ष महोदय : आप ठीक कहते हैं।

श्री मनीराम बागड़ी : आप और कितने आदमियों को कत्ल करवाना चाहते हैं ? (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैं आपकी बात समझ गया हूँ। उन्होंने भी तो इनकार नहीं किया है लेकिन इसके बावजूद आप नहीं मानते हैं।

श्री मनीराम बागड़ी : मैं तो पढ़ूंगा लाजमी तौर पर। आप चाहे सभी लोग अपने कानों में रुई डाल लें।

अध्यक्ष महोदय : मैंने हमेशा इस हाउस को हाउस के लिए चलाया है, मैंने कभी नहीं चाहा कि कोई आदमी सदन को छोड़ कर जाए। लेकिन आप मुझे मजबूर मत करिए। मैं अपने अखिबारात को इस्तेमाल नहीं करना चाहता, आप क्यों मजबूर करते हैं ?

श्री मनीराम बागड़ी : क्या मजबूरी है आपको ? दो मिनट में मामला साफ हो जायेगा।

अध्यक्ष महोदय : अगर आप पढ़ना ही चाहते हैं तो 377 के अन्तर्गत पढ़वा दूंगा।

श्री मनीराम बागड़ी : 377 में जवाब ही नहीं मिलता है। (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : देखिए, 15 मिनट जाया हो गए हैं।

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैं 388 में इसको पढ़ूंगा। (व्यवधान)

MOTION RE SUSPENSION OF MEMBER

अध्यक्ष महोदय : आनरेबल मेम्बर्स, अब मेरे बस का काम नहीं है।

I leave it to the House.

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : हमें भी देश का खयाल है, हाउस को भी देश का खयाल है।

श्री मनीराम बाड़ी (हिसार) : अगर आप ने फौरी तौर पर आज इस पार्लमेण्ट में ऐक्शन नहीं लिया . . . (व्यवधान)

आप और कितनों को कल करवाना चाहते हैं ? ... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : हम किसी को कल नहीं करवाना चाहते । मैं डिस्कशन दे दूंगा ।

(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I shall have to name the Member.

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS, SPORTS AND WORKS AND HOUSING (SHRI BUTA SINGH): Unfortunately, the hon. Member is going against the rules of the House and he is not listening to the Chair. I move that he may be suspended from the sitting of the House for a week.

श्री मनोराम बागड़ी : आप मेरे खिलाफ ऐक्शन ले सकते हैं । (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय :
Now no more recording.

विदाउट माई पर्मीशन जो कह दिया गया है वह रिकार्ड में नहीं जायेगा ।
(व्यवधान)**

अध्यक्ष महोदय : मैंने कहा है कि आप मुझे मोशन दे दीजिए और वे तैयार बैठे हैं डिस्कशन करवाने के लिए, इसलिए आप ऐसा मत करिए ।

श्री मनोराम बागड़ी : मैं 388 में ...

अध्यक्ष महोदय : 388 में ऐसा कोई प्राविजन नहीं है । मैं रूल कैसे तोड़ दूँ ?

(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I am not going to budge. This is too much. I will not allow the rules to be broken.

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपको पता होना चाहिए यह रूल आपका बनाए हुए हैं । मेरे यहां आने के पहले से बनाए हुए हैं । उसका अनुकरण आप मुझे नहीं करने दे रहे हैं ।
I will name you then.

SHRI ERA ANBARASU: He should be sent out from the House.

MR. SPEAKER: I have named him.
(Interruptions)

MR. SPEAKER: I have already named him.

(Interruptions)

अध्यक्ष महोदय : मुझे मजबूर कर रहे हैं आप ।

श्री मनोराम बागड़ी : किस बात के लिए ?

अध्यक्ष महोदय : आप मेरा नियम तुड़वा रहे हैं । मैं बहुत दुःखी हूँ । ...
(व्यवधान) ...

श्री मनोराम बागड़ी : अध्यक्ष महोदय, मैंने सदा आपका एहतराम किया है । वल्कि कोई और अध्यक्ष होता तो मैं उससे लड़ गया होता ... (व्यवधान) ... मैंने बहुत अध्यक्ष देखे हैं ... (व्यवधान) ... अध्यक्ष महोदय, ... (व्यवधान) ... मैं उस वक्त था, जब पंडित जवाहर लाल नेहरू थे, डा० लोहिया थे ... (व्यवधान) ... आप नियम 388 में एडमिट करिए ...

अध्यक्ष महोदय : 388 में एडमिट होता है आप बताइए इनको ।

... (व्यवधान) ...

MR. SPEAKER: Is there any rule?

श्री मनीराम बागड़ी : मैं नहीं मानता क्योंकि यह हरियाणा का सवाल है। राष्ट्र की अखंडता का सवाल है।... (व्यवधान)... मैं नहीं मानने वाला। यह राष्ट्र का सवाल है।... (व्यवधान)...

MR SPEAKER: What can I do about it? मैं कैसे कर सकता हूँ। मुझे कोई रास्ता बताइए। आप बता दीजिए। समर मुखर्जी जी बता दें, दंडवते जी बता दें, स्वासी जी बता दें।

... (व्यवधान) ...

श्री मनीराम बागड़ी : राष्ट्र की अखंडता के साथ मजाक नहीं कर सकते। पक्ष-विपक्ष की बात नहीं है। यह राष्ट्र की अखंडता की बात है।... (व्यवधान) हिन्दू-सिख मारे गए, बर्दाशत किया। फिरकादारी चलाई गई, बर्दाशत किया... (व्यवधान)...

अध्यक्ष महोदय : मनीराम जी, मैं नहीं चाहता। हिसाब से चलूंगा ऐसे ही थोड़े चलूंगा।

... (व्यवधान) ...

श्री मनीराम बागड़ी : मैं प्रत्यक्ष देख रहा हूँ... (व्यवधान)...

SHRI BIJU PATNAIK (Kendrapara): Sir, on his behalf I am walking out.

SHRI KAMAL NATH (Chhindwara): On his behalf Mr Patnaik walked out...

(Interruptions)

श्री मनीराम बागड़ी : ये मੈम्बर नहीं थे, मैं मੈम्बर था। ये तो कल आए हैं बेचारे। ये मुझे क्या पढ़ायेंगे।... (व्यवधान)...

श्री कमल नाथ : बागड़ी जो आप पीछे-पीछे चलिए। पटनायक जी ने रास्ता बता दिया है। आप पीछे चलिए।... (व्यवधान)...

श्री मनीराम बागड़ी : मैं स्पीकर की लॉलिंग और यह शिष्टाचार अगर नाम-निहाद शिष्टाचार है, मैं राष्ट्र के हित के लिए उसकी परवाह नहीं करता हूँ। मैं किसी की परवाह नहीं करने वाला हूँ... (व्यवधान)... देखिए आप समझ लीजिए।... (व्यवधान)...

MR SPEAKER: I will ask you to leave the House please.

श्री मनीराम बागड़ी : आप मुझे कैसे कहेंगे, छोड़ दीजिए।... (व्यवधान)...

MR SPEAKER: I will request you to leave the House.

श्री मनीराम बागड़ी : देखिए, मैं प्रोसीडिंग्स को, सारी प्रोसीडिंग्स जो यहां हैं... (व्यवधान)...

MR SPEAKER: You are obstructing the proceedings of the House.

श्री मनीराम बागड़ी : सवाल तो समूचे... (व्यवधान)...

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING AND IN THE DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI MALLIKARJUN): Sir, I move a motion that he should be named.

(Interruptions)

MR. SPEAKER Mr. Bagri I will name you otherwise.

(Interruptions)

MR. SPEAKER: Mr. Bagri I will name you. Let the Minister please move the resolution.

(Interruptions)

SHRI RATANSINH RAJDA (Bombay South): Mr Speaker, Sir, on behalf of the entire House, I appeal to his good

sense to pay heed to the sense of the House.

(Interruptions)

अध्यक्ष महोदय : मैं क्या करूँ ।

... (व्यवधान) ...

श्री मनीराम बागड़ी : यह पक्ष-विपक्ष का सवाल नहीं है। यह राष्ट्र का सवाल है। ...

MR SPEAKER: Do not record.

(Interruptions)**

MR SPEAKER: I now ask the Minister to move the motion.

(Interruptions)

SHRI BIJU PATNAIK: The hon. Minister has agreed for a discussion. So, a date can be fixed and the matter will be closed.

MR SPEAKER: It can be fixed. I do not deny that.

SHRI BIJU PATNAIK: Please fix a date for that.

PROF. MADHU DANDAVATE (Rajapur): If he is raising some very urgent issue, I would request you, in your right after 12 O'Clock, under rule 377... (Interruptions).

MR SPEAKER: I will allow.

श्री मनीराम बागड़ी : 377 को छोड़िये मैं तो काल-एटेंशन को भी माननेवाला नहीं हूँ। ... (व्यवधान) ...

MR. SPEAKER: I can admit a Motion. The Government is not adverse to discussion.

(Interruptions)

DR. SUBRAMANIAM SWAMY (Bombay-North East): Is he raising something of importance...

(Interruptions)

MR SPEAKER: We will discuss it in the Business Advisory Committee. I can let you know.

(Interruptions)

श्री मनीराम बागड़ी : अध्यक्ष महोदय आप के दिमाग मैं एक घमण्ड है कि आप बहुत ज्यादा मुझ को दबा सकते हैं (व्यवधान) ... यह ठीक है। मेरे हृदय में आप के प्रति बहुत इज्जत है। आप ने विरोध के साथ कभी अन्याय नहीं किया, मैं यह मानता हूँ। लेकिन मेरी राष्ट्रीयता मुझ को अंदर से यह कहती है कि यह एक पार्टी का सवाल नहीं है। समचे राष्ट्र का सवाल है यह पक्ष-विपक्ष नहीं है। ...

अध्यक्ष महोदय : मेरा भी यही प्रश्न है।

श्री मनीराम बागड़ी : फिर आप मुझे क्यों पढ़ने नहीं देते हैं ?

अध्यक्ष महोदय : लेकिन उसूल से पढ़ने देता हूँ।

श्री मनीराम बागड़ी : 388 में पढ़ने दीजिये।

अध्यक्ष महोदय : यह 388 में नहीं आता है।

श्री मनीराम बागड़ी : पहले दिन इन का भी हुआ था।

अध्यक्ष महोदय : वह तो सारे हाउस का बिज़निस सस्पेंड कर के हुआ था। उस में स्टेटमेंट कभी नहीं होता है; डिस्कशन होता है।

(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Mr. Minister, will you please move a motion?

(Interruptions)

MR. SPEAKER: I am very sorry. But I cannot help it.

(Interruptions)

MR. SPEAKER: The Motion is being moved. As a last attempt I am appealing to you to sit down, otherwise I am going to take steps against you.

आप मेरे को मजबूर कर रहे हैं।

श्री मनीराम बागड़ी : मैं आप से उध्र में बड़ा हूँ।

अध्यक्ष महोदय : मैं मानता हूँ, इसी लिये मैं आप की इज्जत करता हूँ। लेकिन आप के ही दिये हुए कानून को मुझे चलाना पड़ता है। यह आप का दिया हुआ हथियार है, मेरा नहीं है ...

श्री मनीराम बागड़ी : कानून बड़ा है या देश ?

अध्यक्ष महोदय : वह ठीक है, लेकिन जिस देश में कानून नहीं है वह देश कैसे चलेगा ? ... (व्यवधान) ...

मैं मानता हूँ आप पूजनीय हैं, लेकिन अध्यक्ष के लिये आप सिर्फ एक मेम्बर हैं।

श्री मनीराम बागड़ी : मैं इन को कहता हूँ, आप का नाम नहीं ले रहा हूँ। ये सब डालते हैं। मैं इस बीच में आप का नाम नहीं ले रहा हूँ, यह सब डर रहे हैं, दबबू हैं ... (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष महोदय : मैं डिस्कशन करवा दूंगा....

.... (व्यवधान)

श्री मूल चन्द्र डागा (पाली) : इन को 374 (2) में निकालिये....

SHRI BUTA SINGH: I am very sorry. Under Rule 373 and 374(1), (2) and (3), action may be taken against Shri Mani Ram Bagri.

The hon. Member Shri Mani Ram Bagri has been flouting the Chair for the last over half-an-hour. He has grossly misused his position in this House by obstructing the proceeding of the House and contravening the rules governing the conduct of business of this House. He has not only flouted the Chair but has also gone to the extent of insulting the Chair. He has raised matters which are very sensitive. His utterances in the House are likely to create situation in the States which will be detrimental to the public interest.

Therefore, Sir, having regard to all these things, under Rule 373, you had kindly directed him to desist from insisting on speaking without your permission and to observe the rules. Unfortunately, there is no way left for me except to recommend to this House that the hon. Member Shri Mani Ram Bagri be suspended from this House for one week.

I beg to move:

"That Shri Mani Ram Bagri, M.P., who has been named by the Speaker, be suspended from the service of the House for one week."

MR. SPEAKER: The question is:

"That Shri Mani Ram Bagri, M.P., who has been named by the Speaker, be suspended from the service of the House for one week."

Those in favour may say 'Aye'.

SEVERAL HON. MEMBERS: 'Aye'.

MR. SPEAKER: Those against may say 'No'.

SOME HON. MEMBERS: No.

MR. SPEAKER: I think the 'Ayes' have it, the 'Ayes' have it....

SOME HON. MEMBERS: 'Noes' have it.

MR. SPEAKER: You want division?

Let the Lobbies be cleared.

The Lobbies have been cleared. I will repeat the question.

The question is....

SHRI BIJU PATNAIK: I would request you to make one more appeal to him.

MR. SPEAKER: You can make it if you like.

SHRI SATISH AGARWAL (Jaipur): You may try once again. We have done our best to persuade him not to insist on that.

अध्यक्ष महोदय : मेरी बात सुनिये । आप बैठिये ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : देखिये, बात यह है कि मैं इस संसद् की कार्यवाही बिल्कुल भाईचारे से चलाने के लिए बाध्य हूँ । मुझे बड़ा क्लेश होता है और मेरे मन पर बड़ा वजन है जब इस तरह से होता है । मैं इस संसद् की कार्यवाही आपकी अनुमति से जैसे आप कहें, चलाने के लिए बाध्य हूँ और रहा हूँ जैसा कि आपने तीन सालों में देखा भी होगा । मैं आप से बराबर विनती करता रहा हूँ कि जो भी सब्जेक्ट आप डिस्कस करना चाहते हैं या यहां लेना चाहते हैं उसके बारे में बिजनस एडवायजरी कमेटी की मीटिंग में या लीडर्स की मीटिंग में सलाह कर लिया करें, पहले डिस्कस कर लिया करें कि हमें क्या करना है । आज भी मेरी आप से हाथ जोड़ कर यही प्रार्थना है कि आप मुझे बाध्य न करें कि मैं किसी अनियमितता को यहां लागू करूँ । इस से मेरे मन को क्लेश होता है । मने आज तक ऐसा नहीं किया है । मैंने अपना मन बनाया हुआ है कि आपकी सहमति से, आपकी कोआप्रेसन से, जैसा कि मैं आज तक करता रहा हूँ, इस हाउस को चलाऊँ । मैं फिर से आपको कहना चाहता हूँ कि जो बात भाई मनीराम जी करना चाहते हैं, या दूसरे आनरेबल मेम्बरस डिस्कस

के लिए लाना चाहते हैं, उसके लिए कोई बन्दिश नहीं है, कतई बन्दिश नहीं है, वह कभी भी करा सकते हैं । लेकिन मेरे से आप आज यह कहें कि आज यह रूल तोड़ दो तो कल को मुझे दूसरा रूल तोड़ना पड़ेगा । इस से यह हाउस नहीं चलेगा । इस से यह बेहतर हो कि मैं काम नहीं करूँ ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : देखिये मुझे कोई भी यह बात समझा दे । अगर आप मुझे यह बात समझा देंगे तो मैं कल ले लूंगा ।

श्री मनोराम बागड़ी : आप मुझे पढ़ने दें ।

अध्यक्ष महोदय : आप कहते हैं कि मैं आपको पढ़ने दूँ, लेकिन रूल 388 में पढ़ा नहीं जाता है । मैं आपको रूल 377 में जब चाहें, पढ़वा सकता हूँ और पढ़वा दूंगा ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बीच में बोल रहे हैं, आप मेरी बात सुन लीजिए । मैं उसका भी जवाब देने को तैयार हूँ । इस के लिए भी मैं आप से यह चाहता हूँ कि आप ऐसा न करें, मैं इसके लिए भी डिस्कशन के लिए तैयार हूँ ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप फिर वही बात कर रहे हैं । मेरी बात सुनिये, अगर देश में एक आदमी दस आदमी, एक हजार आदमी या एक लाख आदमी भी यह हथधर्मा करें और अपनी मन-मर्जी करें और यह सोचें कि देश झुक जाय या देश टूट जाए तो ऐसा नहीं हो सकता है । यह हाउस भी सब का है, यह देश सब का है । यह प्रजातंत्र है ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मेरी बात सुनिये । बापू ने, शहीदों ने इसलिए नहीं खून दिया था कि हमारी जबान बंद हो जाए, हमें कुंठित कर दिया जाए । उन्होंने इसलिए दिया था कि हम बोल सकें, हमारा फ्रीडम आफ एक्सप्रेसन, फ्रीडम आफ थाट, फ्रीडम आफ रिलिजन रहे । इसके लिए यह आवश्यक है कि हमें जहां बोलने की आजादी हो तो वहां हम अपनी बात इस तरीके से, अपनी मर्जी से नहीं बोलें कि सब की बोलती बंद कर दें । इसलिए मैं आप से हथ जोड़ कर विनती करना चाहता हूँ जब आप यह कहते हैं कि आप देशहित में बात करना चाहते हैं तो ऐसा मत मुझे से कराइये, मुझे बाध्य मत कीजिए कि मैं कानून तोड़ दूँ । इसलिए मैं आप से यह अपील करना चाहता हूँ ।

श्री मनोराम बागड़ी : आप देशहित की बात के लिए मजबूर हैं । आप देशहित की बात नहीं सुन रहे हैं । (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप अब भी नहीं मान रहे हैं ।

श्री मनोराम बागड़ी : मैं आप लोगों को यह बताने के लिए कह रहा हूँ (व्यवधान) आप मुझे यह बयान पढ़ने दें ।

(व्यवधान)

SHRI DHARAM BIR SINHA (Barh): Please accept his appeal.

SHRI SATISH AGARWAL: Bagriji, please head the Chair.

SHRI BIJU PATNAIK: You have now no option, but it should not be put to vote.

MR. SPEAKER: Hon. Members, I am sorry I have to put this motion.....

PROF. MADHU DANDAVATE: What is your ruling? Can he read the same under Rule 377?

MR. SPEAKER: Yes, I will allow.

Now the question is:

"That

PROF. MADHU DANDAVATE: He is prepared to raise the same question at 12 O'Clock.

MR. SPEAKER: Not now; afterwards.

नहीं अब नहीं मैं जब बुलाऊंगा तब तो मैं जब 377 मैं लूंग तो सब से पहले मैं आपको लूंगा ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : यह रूल तोड़ना है ।

I am not going to allow.Not allowed.

SHRI KAMAL NATH JHA: You put it to vote, Sir.

(Interruptions)

अध्यक्ष महोदय : अब नहीं होगा । मैं पहले आपको अलाऊ कर दूंगा । प्लीज बैठ जाइये, मुझे मत मजबूर कीजिए । मेरे हाथ बंधे हैं, मैं मजबूर हूँ । मुझ से ऐसा काम मत करवाइये जिससे कि मेरी आत्मा पर कुठाराघात हो ।

I will now put the motion moved by Shri Buta Singh to vote.

The question is :

"That Shri Mani Ram Bagri, M.P., who has been named by the Speaker, be suspended from the service of the House for one week."

Those in favour may say 'Aye'.

SEVERAL HON. MEMBERS: Aye.

MR. SPEAKER: Those against may say 'No'.

SOME HON. MEMBERS: No.

MR. SPEAKER: Do you want division?

SHRI SATISH AGARWAL: Sir, in spite of your appeal with folded hands, he is not agreeing. We are refraining from voting. We are not claiming any division.

PROF. MADHU DANDAVATE: Nobody has asked for division.

MR. SPEAKER: All right. The Ayes have it; the Ayes have it

The motion was adopted.

MR. SPEAKER: Mr. Mani Ram Bagri is suspended for a week.

SOME HON. MEMBERS: Out, out.

MR. SPEAKER: Shri D. M. Putte Gowda....

(Interruptions)

MR. SPEAKER: Now, please leave.

(Interruptions)

अध्यक्ष महोदय : प्लीज बँठ जाइये । यह अच्छा नहीं लगता । अब ऐसा मत करिये । मुझ से आप ने बहुत बुरा करवाया है । यह अच्छा नहीं लगता ।

(व्यवधान)

श्री जगपाल सिंह (हरिद्वार) : आप सजा भी दे रहे हैं और बोलने भी नहीं दे रहे हैं ।

(Interruptions)

MR. SPEAKER: Mr. Bagri is suspended from the House.

Please ask him to leave.

श्री मलिक एम० एम० ए० खां (एटा) : अध्यक्ष महोदय, 45 मिनट तक जो कुछ हुआ है वह प्रेस में नहीं जाना चाहिये ।

(Interruptions)

MR. SPEAKER: Shri D. M. Putte Gowda....

PROF. K K. TIWARY (Buxar): He is still there, Sir. He may be removed.

[Shri Mani Ram Bagri and some other hon Members then left the House].

(Interruptions)

MR. SPEAKER: Shri H. N. Nanje Gowda.

SHRI H. N. NANJE GOWDA: Question No 204.

The Minister of State in the Ministry of Agriculture (Shri Arif Mohammad Khan): The Agricultural Prices Commission has submitted its report....

(Interruptions)

SHRI JAGDISH TYTLER (Delhi Sadar): I would like to say something...

(Interruptions)

I was standing before Mr. Bagri rose. I wanted that this House must congratulate our Prime Minister for becoming the Chairman of the Non-aligned Summit.

MR. SPEAKER: Please sit down. This is not the time.

SHRI JAGDISH TYTLER: But the nonsensical thing Mr. Bagri started stopped me from raising it.

11.45 hrs.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

Support Price of wheat

SHRI H. N. NANJE GOWDA:

*204. SHRI D. M. PUTTE GOWDA:

Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether there is a proposal with the Agricultural Prices Commission to announce the support price for wheat shortly;